

यशोगाथा २०२०-२१

राज्यस्तरीय पीक स्पर्धा (रब्बी ज्वारी)- प्रथम क्रमांक

कृषि विज्ञान केंद्र	कृषि विज्ञान केंद्र, बोरगांव, सातारा
पिक व वाण	रब्बी ज्वारी - फुले रेवती
शेतक-याचे नाव	श्री. साहेबराव मण्याबा चिकणे
गांव	सोनगांव, ता. जावली, जि. सातारा
मोबाईल	९५६१३२५७७७
जमिनीचा प्रकार	मध्यम जमिन, बागायती
सुधारित तंत्रज्ञान	सुधारित वाण, बीजप्रक्रिया, हेकटरी रोपांची योग्य संख्या, सेंद्रिय व रासायनिक खतांचा वापर, एकातिमिक कीड व रोग नियंत्रण
कृषि विज्ञान केंद्र, बोरगाव चे तांत्रिक सहाय्य	बियाणे व जीवाणु खतांची उपलब्धता, सुधारित रब्बी ज्वारी लागवड तंत्रज्ञान विषयी प्रशिक्षण, प्रक्षेत्र भेटी व सल्ला
यशाचे गमक	योग्य वेळेवर पेरणी, हेकटरी रोपांची योग्य संख्या, अन्नद्रव्य व्यवस्थापन
शेतक-याचा अभिप्राय	रब्बी ज्वारीचे विक्रमी उत्पादन घेण्यामधे फुले रेवती या वाणाचे मोठे योगदान आहे. हा वाण खतांना उत्तम प्रतिसाद देतो तसेच कीड व रोगांना देखिल कमी प्रमाणात बळी पडतो.
Outcome Yield (q/ha)	
-प्रात्यक्षिक उत्पादन	प्रक्षेत्राचे १०१ किव. प्रति हेक्टर
- वाणाची उत्पादन क्षमता	अधिकतम ४५ किव. प्रति हेक्टर
- जिल्हा सरासरी उत्पादन	१८.९० किव. प्रति हेक्टर
-तालुका सरासरी उत्पादन	१५.७७ किव. प्रति हेक्टर
- राज्य सरासरी उत्पादन	१५.८९ किव. प्रति हेक्टर

फोटो

राज्यस्तरावरील पीक स्पर्धा - प्रथम क्रमांक रब्बी ज्वारी (फुले रेवती)



श्री. साहेबराव मण्याबा चिकणे, सोनगांव, ता. जावली, जि. सातारा



श्री. साहेबराव मण्याबा चिकणे, सोनगांव, ता. जावली, जि. सातारा यांच्या शेतात प्रक्षेत्र भेटी दरम्यान मार्गदर्शन करताना
कृषि विज्ञान केंद्राचे श्री. संग्राम पाठील



मा. मुख्यमंत्री सांगे. यांचे शुभहस्ते पुरस्कार व मानपत्र स्वीकारताना श्री. साहेबराव चिकणे

०२९

तरुप मार्ग

मुरेश पाटे

पीक स्पर्धेत जावलीचा राज्यात डंका

साहेबराव चिकणे राज्यात प्रथम, मुख्यमंत्र्यांच्या हस्ते होणार सत्कार, राज्य, विभाग व जिल्हांचा निकाल जाहीर

三

स्वतः हुए अप्रैल २०२०-२१ वर्षीय ग्रामसभारीय बोर्ड
मन्त्रीमण्डल नियमित पंचायती शास्त्र अमृत, वाराणसी तक पहुँच
सुधू, सोनगढ़ और लिहाजारी मालेश्वरम नव्याया किसिये
यानी लालिकापाल वर जारी पोर्ट वर्क्स विभाग द्वारा
प्रबन्ध कराया गया। अतः कुछ एक सोलायर तक पहुँच
अनुप्रयोग विभाग द्वारा राज फूले नियमित वर्तीय दिन दर्दी
तालामर्दी स्थिरता दिया जाती है। इसे

Digitized by srujanika@gmail.com

राजसीम राष्ट्री हंगम समीक्षारत मन्त्र राष्ट्री
जारीपाले जारीये सुन
सावेद्राम मन्त्राम चिक्को
(सोनमारा) पोला रामात प्रम
डमाक आता जाहे संस्कृ

 **સુરેશ પટેલ** (આરોગ્ય, વિસ્તીર્ણ, અનુભવ વિકાસ ઉદ્દેશ્યાબાબુ) ડ્રોપ મિનિમલ
સુરજી (અનુભવાબુ જી નાર્સ) નુંએ કાર્ડીન નાર્સ હૈ.

Digitized by srujanika@gmail.com

जारी तापावलीमध्ये रही हळव दीक
सर्वांनी रही जारी गोता त्रिव त्रिव
मुखी विठे (सेलानी), दिवाच औप
देवतुक (चिकोरी), तुंबी एक तुम्हा
(गोता) तापावलीमध्ये रही गो-
त्रिव कराव पाता (सारांडे), दिवाच मुखीत
पाता (सारांडे), तुंबी तापावलीमध्ये

यारे (सिंहलाय, मातारा), दिल्ली सौरज शोभने (सम्पादक, वि. भास्तवा), बैंगिन कुमारीजी (जनने वि. भास्तवा) आदि जटी संस्कृतालय द्वारा सिंहलाय पाठ्यक्रम सम्बोधन नामांकन (पुस्तकालय, मातारा), दिल्ली विद्या बालक (सुनाम, मातारा) द्वारा दायरे पाठ्य॒ (वि. वि. समाजी), विज्ञानाधीनी हास्यांग एवं साही संस्कृतालय द्वारा प्रथम वार्षिकालय (मातारा, कोलंबो), दिल्ली विद्या याचिक (विज्ञानालय, डिल्ली), विद्यालय उपराज (कुमारीलय) इत्यादितीय वार्षि वार्षि प्रथम वार्षिकालय (सार्वज्ञ, कलालय), विद्यालय याचिक (सेनेटरीलय) और विद्यालय याचिक (भास्तवा कोलंबोलय). विद्यालय याचिक (सार्वज्ञ, कलालय) विद्यालय याचिक (भास्तवा, कलालय) एवं विद्यालय याचिक (भास्तवा, कलालय) द्वारा वार्षिक वार्षिकालय निर्माण (नायी, विदेशीलय) दिल्ली विद्यालय याचिक (विद्या, भास्तवा), दिल्ली विद्यालय (विदेशी, विद्या) एवं विदेशी

दसमं शताब्दी तक लोकों ने अपनी जिला विभाग विभाग की परिवर्तनी कर दी। यही उपर्याप्त विभागों का तात्पर्य है, तो जल्दी तात्पुरता तात्पुरता की परिवर्तनी के लिए देखें, क्योंकि अधिकारी आवासों का विवरण, वज्र और अवधारी आवासों का विवरण, सभा विवरण, कुर्सी विवरण जैसा विवरण, बहुत सारी विवरण तक तात्पुरता की परिवर्तनी के लिए आवश्यक है।

नृत्य संस्कृतानाम् ददम्य एव अप्रत्यक्षं तत्त्वं गुणं
र्वा (सुन्दरं वि नारील), विशीष्य आपासांसं आरोहे
(महालक्ष्मी, वि नारी), तुलीप इमार विद्या वै
संभावये (दुर्घाटा, वि नारी) वैष्णविकारः।

इत्याचार्य विवेकानन्द नाम वाच
करते (वार्षिकी, वि लक्ष्मी), विशीष्य तुला वै
(विष्णी, वि वृत्ती), तुलीप गुणं बगाण (मुख्यं,
वि पुरुषं), तुली तुला माझी लंबिलकार ददम्य
तापाम् तुला तुला (आत्म, वि नारी), विशीष्य
संभवये विवेकानन्द (दुर्घाटा, वि नारी), विशीष्य
उत्तरांशी विवेकानन्द (आत्म, वि मानी).

सभी राज्यों का अधिकारी यजुर्वल राज्यालय प्रबन्ध
हितांकेंद्र याचित (कर्तव्य वि. नामिक). दिव्यांग
विद्यालय यजुर्वल (कर्तव्य वि. नामिक) लौटी भवानी

प्रसिद्धी